Title: Need to check increasing incidents of foeticides in the country particularly in Korba districts of Chhatisgarh. -- Laid

डॉ0 चरणदास महंत (जांजगीर): छत्तीसगढ़ राज्य के कोरबा जिले में महिलाओं की जनसंख्या तेजी से घटती जा रही है। शहरी व ग्रामीण जनसंख्या पर नजर दौड़ायी जाये तो प्रति हजार पुरूाों पर मात्र आठ सौ महिलायें ही हैं। ग्रामीण क्षेत्र की जनसंख्या पर गौर किया जाये तो कोरबा विकासखंड क्षेत्र में जहां पुरूाों की संख्या 61 हजार के आसपास है, वहीं महिलाओं की मात्र 59 हजार ही है। वर्ा 1971 की जनगणना में नगर पालिका निगम क्षेत्र में पुरूाों की जनसंख्या जहां 45 हजार 104 थी, वहीं महिलाओं की जनसंख्या मात्र 38 हजार 283 आंकी गयी थी। वर्ा 1981 की जनगणना में प्रति हजार पुरूाों पर 849 महिलायें पायी गयी। वर्ा 1991 की जनगणना में पुरूाों की संख्या 66 हजार 85 थी तो महिलाओं की मात्र 58 हजार 416 आंकी गयी। महिलाओं की जनसंख्या तेजी से घटने का कारण कोई प्राकृतिक नहीं, बल्कि समाज जनित कारण हैं। भ्रूण हत्या इसका एक प्रमुख कारण है। भ्रूण हत्या में चिकित्सा जगत से जुड़े लोग अर्थलाभ के कारण पूरा साथ देते हैं। मेरी भारत सरकार से मांग है कि इस विाय को गंभीरता से लेकर आवश्यक कदम उठाये जायें।